राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचारपत्र

संकल्प शक्ति

संकल्प शक्ति के बल पर आओ हम सब मिलकर भय-भूख-भ्रष्टाचार से मुक्त भारत का निर्माण करें।

पृष्ठ-8, मूल्य ₹5

डाक पंजीकरण संख्या MP/SDLDn/0025/2023-2025

www.sankalpshakti.com | गुरुवार 25 अप्रैल से 01 मई 2024 | वर्ष 15, अंक: 13

लोकसभा चुनाव प्रथम चरण

21 राज्यों की 102 सीटों पर हुआ 68 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के प्रथम चरण में 21 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर शुक्रवार को मतदान हुआ। सुबह 07 बजे से शाम 06 बजे तक 68.29 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। 2019 के मुकाबले यह आंकड़ा 01 प्रतिशत कम है।

शुक्रवार को जिन 102 लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें 2019 में भाजपा ने 40, डीएमके ने 24 और कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं, जबकि अन्य को 23 सीटें मिली थीं।

गौरतलब है कि 21 में से 04 राज्यों में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। इनमें सबसे ज्यादा लक्षद्वीप में 83.88 प्रतिशत, त्रिपुरा में 81.62 प्रतिशत, बंगाल में 80.55 प्रतिशत और सिक्किम में 80.03 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि बिहार में सबसे कम मतदान हुआ, जिसका प्रतिशत 50 से

नीचे रहा। यहां 48.88 प्रतिशत मत पड़े।

दो राज्यों, पश्चिम बंगाल और मणिपुर में मतदान के दौरान हिंसा भी हुई। अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव के लिए भी वोट डाले गए। अरुणाचल में 76.44 प्रतिशत और सिक्किम में 79.86 प्रतिशत लोगों ने राज्य सरकार चुनने के लिए वोट डाले।

बंगाल और मणिपुर में हिंसा

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच पथराव की घटना प्रकाश में आई है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि कूचबिहार के तूफानगंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पोलिंग बूथ पर हिंसा की। भाजपा ने भी तृणमूल के कार्यकर्ताओं पर हिंसा का आरोप लगाया है।

इम्फाल में जलाई गई ईव्हीएम

मणिपुर के पूर्वी इम्फाल ज़िले के मोइरंगकंपू में चुनाव के दौरान आगजनी की घटना सामने आई है। यहां उपद्रवियों ने ईव्हीएम मशीन को जला दिया। ज़िले के खुरई लाईखुटलेंबी में गुस्साए लोगों ने ईव्हीएम मशीन में तोड़फोड़ कर दी। इन लोगों का आरोप था कि हथियारबंद बदमाशों ने उनका वोट डाल दिया है। मतदान के दौरान मणिपुर के बिष्णुपुर में भी फायरिंग हुई। मणिपुर की दो लोकसभा सीटों (मणिपुर इनर और मणिपुर आउटर) पर प्रथम चरण में मतदान हुआ। हिंसा को देखते हुए आउटर सीट के कुछ हिस्सों में 26 अप्रैल को भी वोटिंग होगी।

प्रथम चरण में 1,625 प्रत्याशी

प्रथम चरण में 1,625 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। इनमें 1,491 पुरुष और 134 महिला प्रत्याशी हैं। इसके बाद 26 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग होगी। कुल 07 चरणों में 543 सीटों पर 01 जून को मतदान खत्म होगा और सभी सीटों के परिणाम 04 जून को आएंगे।

साइबर फ्रॉड की रोकथाम के लिए गृह मंत्रालय ने लॉन्च किया नया साफ्टवेयर 'प्रतिबिंब'

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों से साइबर अपराध के मामले बहुत तेजी के साथ बढ़े हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर अपराधियों से लड़ने के लिए एक नया सॉफ्टवेयर 'प्रतिबिंब' पेश किया है। एमएचए के साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने राज्य पुलिस और एंजेसियों की मदद के लिए इस सॉफ्टवेयर को तैयार करके लॉन्च किया है। अधिकारियों के मुताबिक, ये सॉफ्टवेयर साइबर अपराधियों को रियल टाइम में ट्रैक करके उनके नेटवर्क को तबाह कर देगा।

अधिकारियों का कहना है कि 'प्रतिबिंब' पूरे देश के साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल नंबरों को जियोग्राफिक इंफोर्मेशन सिस्टम यानी जीआईएस पर प्रदर्शित करेगा। ये सॉफ्टवेयर साइबर अपराधियों के रियल नंबरों की

वास्तविक लोकेशन की जानकारी को सर्विस देने वाले और एजेंसियों को मैप पर प्रदान करेगा।

एमएचए ने प्रतिबिंब सॉफ्टवेयर से पहचाने गए 12 साइबर अपराधियों के हॉटस्पॉट के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने का आदेश भी जारी कर दिया है।

पुलिस की गिरफ़्त में आए 42 अपराधी

साइबर अपराधियों को लगातार पकड़ने के लिए झारखंड और हरियाणा को टारगेट किया गया है। साइबर अपराधियों के ख़िलाफ़ हरियाणा पुलिस ने सबसे बड़ा अभियान चलाया था। इस दौरान लगभग 42 अपराधियों को गिरफ़्तार किया गया। गिरफ़्तार किए गए अधिकतर अपराधी राष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध की वारदातों में शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 50 फोन, फर्जी आधार कार्ड, 90 सिम, कैश और एटीएम कार्ड बरामद किए हैं।

दिसंबर में नर्मदा जल के बंटवारे पर होगी समीक्षा, मध्यप्रदेश और गुजरात आमने-सामने

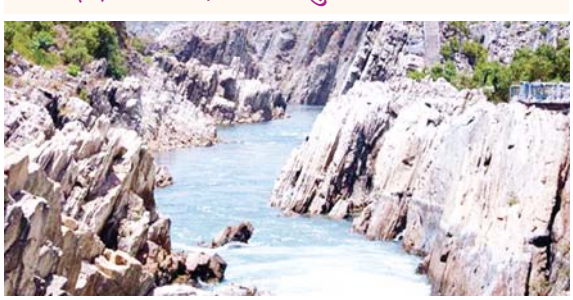

भोपाल। प्रदेश की जीवनदायिनी नर्मदा नदी के पानी को लेकर एकबार फिर खींचतानी का माहौल निर्मित होने वाला है। मध्यप्रदेश के हिस्से का नर्मदा जल उपयोग करने की मियाद पूरी हो गई है। अब दिसंबर 2024 में जल बंटवारे की नए सिरे से समीक्षा होगी। प्रदेश में नर्मदा जल के उपयोग के लिए 30 हज़ार करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। प्रदेश इन प्रोजेक्ट के आधार पर पानी के पूरे हिस्से के उपयोग का दावा करेगा। लेकिन, दिक्कत ये है कि नर्मदा जल के उपयोग पर मध्यप्रदेश और गुजरात के बीच खींचतान है।

दिक्कत यह है कि गुजरात ने तय मापदंड से भी ज्यादा एमएएफ पानी के उपयोग का स्ट्रक्चर तैयार कर लिया है। गुजरात को महज नौ एमएएफ शेयर मिला था, लेकिन इससे दोगुना स्ट्रक्चर तैयार कर लिया है और नर्मदा जल का उपयोग भी कर रहा है। अब दिसंबर 2024 में जल बंटवारे को लेकर समीक्षा में किसका पक्ष मज़बूत होता है? यह देखना है।

01 मई पर विशेष

श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर मनाया जाता है मज़दूर दिवस

अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस मनाने की शुरुआत 01 मई 1886 से मानी जाती है, जब अमेरिका की मज़दूर यूनियनों ने काम का समय 08 घंटे से अधिक न रखे जाने के लिए हड़ताल की थी। इस हड़ताल के समय शिकागो की हे मार्केट में बम धमाका हुआ था। यह बम किसने फेंका किसी का कोई पता नहीं। इसके निष्कर्ष के तौर पर पुलिस ने श्रमिकों पर गोली चला दी और सात श्रमिक मार दिए। भरोसेमंद गवाहों ने तस्दीक की कि पिस्तौलों की सभी फलैशें गली के केंद्र की तरफ से आईं, जहाँ पुलिस खड़ी थी और भीड़ की तरफ़ से एक भी फ्लैश नहीं आई। प्राथमिक अखबारी रिपोर्टों में भीड़ की तरफ से गोलीबारी का कोई उल्लेख नहीं था। घटनास्थल पर एक टेलीग्राफ खंबा जो गोलियों के साथ हुई छेद से पुर हुआ था, जो सभी की सभी पुलिस की दिशा से आईं थीं।

चाहे इन घटनाओं का अमेरिका पर एकदम कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा था, परन्तु कुछ समय के बाद अमेरिका में 08 घण्टे काम करने का समय निश्चित कर दिया गया था। वर्तमान में भारत और अन्य देशों में भी श्रमिकों के 08 घण्टे काम करने से संबंधित नियम लागू है। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक आंदोलन, समाजवादियों, तथा साम्यवादियों के द्वारा समर्थित यह दिवस ऐतिहासिक तौर पर केल्त बसंत महोत्सव से भी संबंधित है। इस दिवस का चुनाव हेमार्केट घटनाक्रम की स्मृति में, जो कि 04 मई 1886 को घटित हुआ था, किया गया।

भारत में एक मई का दिवस सब से पहले चेन्नई में 01 मई 1923 को मनाना शुरू किया गया था। उस समय इसको मद्रास दिवस के तौर पर प्रामाणित कर लिया गया था। इसकी शुरुआत भारतीय मज़दूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगारावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट के सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया गया और एक संकल्प पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। भारत समेत लगभग 80 मुल्कों में यह दिवस पहली मई को मनाया जाता है। यह दिवस श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर मनाया जाता है।

सूर्य के बारे में लगातार डेटा भेज रहा है आदित्य मिशन: इसरो प्रमुख

कोलकाता। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) प्रमुख एस. सोमनाथ ने रविवार को कहा कि देश की प्रमुख अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी का आदित्य-एल (1) सौर मिशन लगातार सूर्य के बारे में डेटा भेज रहा है।

आभूषण कंपनी पीसी चंद्रा ग्रुप के द्वारा विशेष पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के बाद सोमनाथ ने यहां पत्रकारों से कहा कि अंतरिक्ष यान के कई उपकरण कई पहलुओं पर डेटा फीड करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। हम सूर्य को निरंतर तरीके से देख रहे हैं, जिसमें पराबैंगनी चुंबकीय चार्ज गणना, कोरोना ग्राफ अवलोकन, एक्स-रे अवलोकन और अन्य चीजें शामिल हैं। भारत का पहला सौर मिशन यान आदित्य-एल (1) दो सितंबर, 2023 को लॉन्च किया गया था।

सोमनाथ ने संवाददाताओं से कहा कि हम इस उपग्रह को पाँच साल के लिए रख रहे हैं और प्राप्त गणनाओं का विश्लेषण दीर्घकालिक उपाय के रूप में किया जाएगा। यह आपकी तत्काल खबर की तरह नहीं है कि आज सूर्य के बारे में कुछ बताया गया है, कल कुछ और होगा, चीजें हर दिन बदल रही होंगी।'

बर्फ में दफन हो रहे हैं अंतरिक्ष के रहस्य

नई दिल्ली। शोधकर्ताओं की मानें तो अंटार्कटिका बर्फ से ढंका महाद्वीप है और यह अपने अन्दर अनगिनत रहस्यों को समेटे हुए है, इन्हीं रहस्यों में से एक है यहां मौजूद उल्कापिंड, जो अनगिनत संख्या में अंटार्कटिका की सतह पर जमा हैं।

जलवायु परिवर्तन की वजह से अंटार्कटिका में बर्फ तेजी से पिघल रही है, जिसके चलते सालाना करीब 5,000 उल्कापिंड बर्फ की गहराइयों में दफन हो रहे हैं। शोधकर्ताओं ने ताजा अध्ययन में इसका खुलासा किया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति से लेकर, चंद्रमा के निर्माण समेत कई ऐसे रहस्य हैं, जिनके जवाब इन उल्कापिंडों से मिल सकते हैं।

बेल्जियम, स्विट्जरलैंड और यूके के शोधकर्ताओं का यह अध्ययन नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित हुआ है। बताया गया है कि अंटार्कटिका से उल्कापिंड एकत्र करने की दर से पाँच गुना तेज इनकी संख्या घट रही है। वहां से हर साल औसतन 1,000 उल्कापिंड एकत्र किए गए हैं। पृथ्वी पर अब तक करीब 80,000 उल्कापिंड खोजे गए हैं, जिसमें 60 फीसदी अंटार्कटिका की सतह पर पाए गए हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यहां अभी 3 से 8.50 लाख उल्कापिंड एकत्र किए जाने बाकी हैं।

● सिकुड़ीं बर्फ की चट्टानें

शोधकर्ताओं का अनुमान है कि अंटार्कटिका में 40 प्रतिशत से अधिक बर्फ की चट्टानें सिकुड़ चुकी हैं और इनमें से आधी में सुधार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। 1979 से सैटेलाइट से अंटार्कटिका पर नज़र रखी जा रही है। बढ़ते तापमान की वजह से पिछले 25 वर्षों में अंटार्कटिका करीब साढ़े सात लाख करोड़ टन बर्फ खो चुका है।

● प्रयासों में तेजी लाने का आह्वान

अंटार्कटिका धरती के सात महाद्वीपों में से एक है, जो 140 लाख वर्ग किमी में फैला हुआ है। इसे दुनिया का आखिरी छोर भी कहा जाता है। अंटार्कटिका में तापमान चार डिग्री सेल्सियस से भी कम रहता है। इसकी बर्फ में ऐसे कई रहस्य दफन हैं, जो विज्ञान की दृष्टि से बहुत मायने रखते हैं। ऐसे में इन उल्कापिंडों को पुन: प्राप्त करने के प्रयासों में तेजी लाने का आह्वान किया गया है।

आश्चर्यजनक है सूर्य मंदिर की वास्तुकला

ओडिशा के पुरी ज़िले में स्थित कोणार्क सूर्य मंदिर वास्तुकला की दृष्टि से तो हैरान करता ही है, साथ ही इसका अध्यात्म की दृष्टि से भी विशेष महत्त्व है। यह मंदिर सूर्य देव को समर्पित है। हिंदूधर्म में सूर्य देव को सभी रोगों का नाशक माना गया है। अपनी कई खासियत के चलते इस मंदिर ने यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में अपनी जगह बनाई है।

मंदिर की पौराणिक कथा

पुराणों के अनुसार, भगवान् श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब ने एक बार नारद मुनि के साथ अभद्र व्यवहार किया था, जिसकी वजह से नारद जी ने क्रोधित होकर उन्हें श्राप दे दिया। श्राप के कारण साम्ब को कुष्ठ रोग (कोढ़ रोग) हो गया। साम्ब ने चंद्रभागा नदी के सागर संगम पर कोणार्क में बारह वर्षों तक तपस्या की, जिसके चलते सूर्यदेव प्रसन्न हो गए। सूर्यदेव, जो सभी रोगों के नाशक थे, ने इनके रोग का भी निवारण कर दिया। तभी साम्ब ने सूर्य भगवान् का एक मंदिर बनवाने का निर्णय किया। अपने रोगनाश के उपरांत, चंद्रभागा नदी में स्नान करते हुए, साम्ब को सूर्यदेव की एक मूर्ति मिली। इस मूर्ति को लेकर माना जाता है कि यह मूर्ति सूर्यदेव के शरीर के ही एक भाग से, स्वयं देव शिल्पी श्री विश्वकर्मा ने बनायी थी, लेकिन अब यह मूर्ति पुरी के जगन्नाथ मंदिर में रख दी गई है।

समय की गति को दर्शाता है यह मंदिर

इस मंदिर को सूर्य देवता के रथ के आकार का बनाया गया है। इस रथ में 12 जोड़ी पहिए लगे हुए हैं। साथ ही इस रथ को 07 घोड़े खींचते हुए नज़र आते हैं। यह 07 घोड़े 07 दिन के प्रतीक हैं। यह भी माना जाता है कि 12 पहिए साल के 12 महीनों के प्रतीक हैं। कहीं-कहीं इन 12 जोड़ी पहियों को दिन के 24 घंटों के रूप में भी देखा जाता है। इनमें से चार पहियों को अब भी समय बताने के लिए धूपघड़ी की तरह इस्तेमाल किया जाता है। मंदिर में 08 ताड़ियां भी हैं जो दिन के 8 प्रहर को दर्शाते हैं।

मिड–डे मील में अब बच्चों को मिलेंगी ताजी सब्ज़ियां और सलाद

चंडीगढ़। सभी सरकारी स्कूलों में अब विद्यार्थियों को मिड–डे–मील में ताजी सब्ज़ियां और सलाद परोसे जाएंगे। इसके लिए राजकीय विद्यालयों में किचन गार्डन बनाए जाएंगे, जिनमें सब्जियां उगाई जाएंगी।

मौलिक शिक्षा निदेशक ने सभी मौलिक शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में किचन गार्डन बनाने के निर्देश दिए हैं और जिन स्कूलों में किचन गार्डन के लिए पर्याप्त जगह नहीं है, वहां विद्यालय की छत या फिर जहां पर जगह उपलब्ध है, वहां पर गमलों या पोली बैग में सब्ज़ियां उगाई जा सकती हैं। जिन स्कूलों में इस्कान संस्था द्वारा पका हुआ भोजन वितरित किया जाता है, वहां पर भी किचन गार्डन में सब्जी उगाना अनिवार्य रहेगा। विद्यार्थियों को

प्रकृति और हरियाली से जोड़ने के लिए स्कूलों में हर्बल पार्क के साथ किचन गार्डन बनाने का निर्णय लिया गया है।

...दर्ज़ होगी दैनिक उपस्थिति

एमआईएस पोर्टल पर शिक्षकों और छात्रों की दैनिक उपस्थिति दर्ज़ कराना अनिवार्य होगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के संज्ञान में आया है कि शिक्षक नियमित रूप से एमआईएस पोर्टल पर छात्रों की उपस्थिति दर्ज़ नहीं करा रहे हैं।

विभाग की ओर से स्पष्ट हिदायत जारी की गई है कि प्रत्येक छात्र और शिक्षक की उपस्थिति एमआइएस पोर्टल पर दैनिक आधार पर नियमित रूप से अंकित की जानी चाहिए। ज़िला शिक्षा अधिकारी स्कूलवार उपस्थिति रिपोर्ट की नियमित समीक्षा करेंगे।

मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर के केशकुतुल इलाके में शनिवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई मुठभेड़ में एक नक्सली के मारे जाने की खबर है।

इससे पहले सुकमा में दो इनामी सहित तीन नक्सलियों ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इसमें आत्मसमर्पित महिला नक्सली पूर्व में एसजेडसीएम बारसे देवा की गार्ड रही है। समर्पण करने वालों में एक लाख का इनामी डीएकेएमएस अध्यक्ष कवासी हुंगा (42 वर्ष) शामिल है। तीनों नक्सलियों ने 20 अप्रैल को नक्सल आपरेशन कार्यालय सुकमा में मनीष रात्रे, उप पुलिस अधीक्षक, नक्सल आप्स सुकमा व कीरत सिंह बोपाराय, सहायक कमांडेंट 74 वाहिनी सीआरपीएफ के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया।

भीषण दुर्घटना में नौ लोगों की मौत

झालावाड़। राजस्थान के झालावाड़ स्थित अकलेरा के पास पांचोला में भीषण सड़क हादसा होगया। बारात से लौट रहे लोगों की वैन की एक ट्रक से टक्कर के बाद नौ लोगों की मौत हो गई है।

हादसा इतना भीषण था कि वैन के परखच्चे उड़ गए और चीख–पुकार मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुँच गई थी। पुलिस ने आनन–फानन घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने बताया कि हादसा सुबह अकलेरा थाना क्षेत्र में हुआ, जहां वैन में सवार लोग मध्यप्रदेश के डूंगरी से एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर डुगरगांव लौट रहे थे। जैसे ही गाड़ी एनएच 52 पर पचोला के पास पहुंची वहां एक ट्राले ने वैन को जोरदार टक्कर मार दी। यह हादसा थाने से करीब 05 किलोमीटर की दूरी पर भोपाल मार्ग पर हुआ। पुलिस जैसे ही पहुंची तो उसने देखा कि कई लोग वैन में बुरी तरह फंसे थे, जिन्हें वैन से निकालकर नज़दीक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने 09 लोगों को मृत घोषित कर दिया, वहीं एक घायल का इलाज किया जा रहा है।

17 साल में दोगुनी हुई ऑटिज्म रोग की समस्या, एम्स विशेषज्ञ कर रहे हैं शोध

नई दिल्ली। कीटनाशकों का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों को मनोरोगी बना सकता है। खेती में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों के दुष्प्रभाव पर एम्स विशेषज्ञ शोध कर रहे हैं। एम्स के बाल न्यूरोलॉजी प्रभाग की प्रभारी संकाय प्रोफेसर डॉ. शैलाफी गुलाटी ने इसके बारे में जानकारी दी है।

विशेषज्ञों ने आशंका जाहिर की है कि अनुवांशिकी, एपिजेनेटिक के अलावा पर्यावरण में बदलाव बच्चों में होने वाले ऑटिज्म का बड़ा कारक हो सकता है। इसकी गंभीरता का पता लगाने के लिए एम्स के विशेषज्ञों ने दिल्ली के आसपास हरियाणा क्षेत्र में शोध शुरू किया है। इस शोध के दौरान लौकी सहित दूसरी सब्ज़ियों को उगाने

के दौरान इस्तेमाल होने वाले कीटनाशक का प्रभाव तीन माह तक के बच्चों पर देखा जाएगा। अध्ययन से पता लगाया जाएगा कि क्या इसके कारण बच्चों में ऑटिज्म रोग बढ़ रहा है?

17 साल में दोगुनी हुई समस्या

ऑटिज्म की समस्या 17 साल में करीब दोगुनी हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, साल 2006 में प्रति 66 बच्चों में एक बच्चा इस रोग से पीड़ित पाया जाता था, वहीं साल 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर प्रति 36 बच्चों में से एक हो गया है। एम्स ने साल 2011 में एक अध्ययन किया था। उस समय प्रति 89 में एक बच्चा इससे पीड़ित पाया गया था। विशेषज्ञों की मानें तो समय के साथ बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। यह चिंता का विषय है।

ट्रक और ट्रैक्टर–ट्रॉली में टक्कर होने से चार की मौत, 24 घायल

कन्नौज। कन्नौज के थाना छिबरामऊ क्षेत्र में स्थित गांव कुंवरपुर निवासी वीरेंद्र सिंह की पुत्री थाना बिछवां के गांव बेलधारा में ब्याही है। उनकी पुत्री के नवजात शिशु का शुक्रवार को नामकरण संस्कार था। अत: वीरेंद्र सिंह अपने स्वजनों के साथ ट्रैक्टर से गांव बेलधारा गए थे। शनिवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे सभी लोग ट्रैक्टर ट्राली में बैठकर वापस घर लौट रहे थे।

भोगांव क्षेत्र में द्वारकापुर के पास ट्रैक्टर की लाइट खराब हो गई, जिससे चालक ने ट्रैक्टर को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और लाइट की मरम्मत करने लगा। तभी पीछे से आए ट्रक ने ट्राली में टक्कर मार दी, जिससे ट्राली पलट गई। ट्रॉली में बैठी फूलमती पत्नी अवधेश, रमाकांति पत्नी दफेदार, संजय देवी पत्नी राजेश की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि 24 लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां द्रोपदी देवी पत्नी विशुन दयाल की मृत्यु हो गई। सभी मृतक और घायल गांव कुंवरपुर छिबरामऊ के निवासी हैं।

गैस सिलेंडर ले जा रहे ट्रक में लगी आग, धमाकों से दहला इलाका

मुरादाबाद। काशीपुर हाईवे पर शनिवार को गैस सिलेंडर लेकर जा रहे ट्रक में में भीषण आग लग गई। इससे गैस सिलेंडर हवा में उड़ते दिखाई दिए। गैस सिलेंडरों के धमाकों से आसपास के गांव गुलड़िया मुराद, सिढ़ावली सहित पूरा इलाका दहल उठा था।

सूचना मिलते ही भोजपुर पुलिस और दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। गैस सिलेंडर में रह–रहकर हो रहे धमाकों से टीम की हिम्मत पास जाने की नहीं हो रही थी। करीब एक घंटे तक ट्रक में आग लगी रही। पुलिस ने बताया ट्रक में करीब 400 सिलेंडर लदे थे।

पुलिस ने मौके की नजाकत को देखते हुए काशीपुर हाईवे पर वाहनों का आवागमन रोक दिया था। पुलिस के अनुसार, दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इसके बाद मलबे को साफ किया गया।

गेंहूँ की खेतों में लगी आग

गैस सिलेंडर से लदे ट्रक मैं आग लग जाने के कारण आसपास के गेहूं के खेतों में भी आग लग गई। जिससे करीब आधा दर्जन किसानों का लाखों रुपये मूल्य का गेंहूं जलकर खाख हो गया। कई एकड़ भूमि में लगी गेहूं की फसल जल जाने से किसानों में मायूसी छाई हुई है।

ट्रक से टकराकर पलटी पुलिसकर्मियों की बस, कई जवान घायल

बैतूल। मध्यप्रदेश के बैतूल ज़िले के पास शुक्रवार को एक राजमार्ग पर सुरक्षाकर्मियों की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिस बस में सुरक्षाकर्मी यात्रा कर रहे थे, वह एक ट्रक से टकराकर पलट गई, जिससे कई होम गार्ड के जवान और पुलिसकर्मी घायल हो गए।

सुरक्षाकर्मी लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए मतदान ड्यूटी के बाद छिंदवाड़ा से लौट रहे थे। 19 अप्रैल को मध्यप्रदेश में 06 सीटों पर चुनाव हुए थे। छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र में इन सभी की ड्यूटी लगी थी, जहां से लौटने के क्रम में वे हादसे का शिकार होगए।

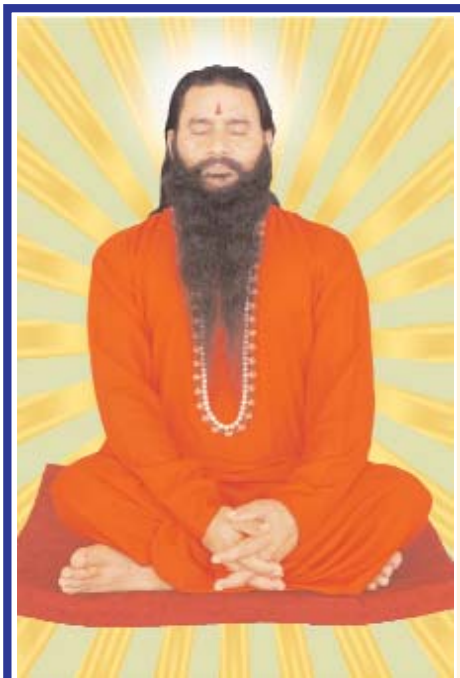

चिन्तन

हर काल परिस्थितियों के आधार पर हमें जीवन जीना चाहिये। दो या तीन बच्चों से ज़्यादा अपने परिवार में जन्म लेने की स्थितियां न निर्मित करो। घर में सुख-शान्ति के लिये एक बेडरूम की संस्कृति को समाप्त करो। चूँकि नित्य पति-पत्नी एक बिस्तर में, एक बेडरूम में सोते हैं और यही उनकी अशान्ति का कारण बनता है। पति-पत्नी के बिस्तर अलग-अलग होने चाहिये। परिवारिक वंश परम्परा को चलाने के सम्बन्ध के जो योग निर्मित होते हैं, वह क्षणिक योगों का समय होता है। आप लोगों के बीच कभी ऐसी स्थिति नहीं निर्मित होनी चाहिये कि पति-पत्नी रात भर एक ही बिस्तर पर सोयें। उससे चेतनातरंगें बाधित होती हैं, हमारी प्राणवायु बाधित होती है और आपस में एक-दूसरे के प्रति लगाव की जो स्थिति होती है, वह क्षीण होती है तथा धीरे-धीरे अशान्ति की स्थिति निर्मित होजाती है। इस स्थिति में माँ के गर्भ में जो बच्चा होगा, वह भी अशान्तपूर्ण वातावरण ले करके पैदा होगा। चूँकि जिस तरह का माता-पिता का जीवन होगा, उसी तरह बच्चे का विकास होगा और वैसे विचार पैदा होंगे।

ऋषिवाणी

धर्मसम्राट् युग चेतना पुरुष सद्गुरुदेव परमहंस योगीराज **श्री शक्तिपुत्र जी महाराज**

नशामुक्ति शंखनाद

शक्ति चेतना जनजागरण शिविर, दमोह (म.प्र.), 18-04-2015

बोलो माता आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बे मात की जय।

इस शक्ति चेतना जनजागरण शिविर में यहाँ उपस्थित अपने समस्त शिष्यों, 'माँ'भक्तों, श्रद्धालुओं एवं इस शिविर व्यवस्था में लगे हुए समस्त कार्यकर्ताओं को व जो जिस भावना से इस स्थल पर उपस्थित हैं, उन सभी को अपने हृदय में धारण करता हुआ, माता आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा का पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त करता हुआ अपना पूर्ण आशीर्वाद आप समस्त लोगों को समर्पित करता हूँ।

एक छोटा सा शब्द 'माँ' बोलने मात्र से ही अलौकिक शान्ति की अनुभूति होती है, अपनेपन का अहसास होता है। एक ऐसा शब्द, जिसकी गहराई अथाह है, शान्ति अथाह है, शक्ति अथाह है और जिस शब्द की गहराई आज तक न कोई पा सका है, न कोई पा सकेगा। इस 'माँ' शब्द में अलौकिक सामर्थ्य है। यदि मनुष्य इस 'माँ' शब्द के पूर्णत्व के स्वरूप को समझ जाता और 'माँ' शब्द की गहराई में डूब जाता, तो आज समाज असहाय, असमर्थ, निरीहता का जीवन नहीं, बल्कि चैतन्यता का जीवन जी रहा होता।

'माँ', जिनके विषय में मेरे द्वारा आपको पूर्व से जानकारी दी गई है कि मेरी, आपकी, हम सभी की, समस्त जीवों की मूलसत्ता, हमारी आत्मा की जननी, समस्त जीवों की जननी, माता आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा ही हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश, इन समस्त देवों की जननी भी माता आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा हैं। यदि हम अपनी आत्मा की जननी के सम्बन्ध की गहराई को समझ जायें, तो हमारी समस्त समस्याओं का समाधान हमें सहजभाव से प्राप्त हो सकता है। हर एक की आत्मा एक समान है तथा हर एक की आत्मा के अन्दर अलौकिक शक्ति है। हमारे वेद-पुराण, शास्त्र, उपनिषद, योगी, ऋषि-मुनि सभी ने चीख-चीख करके कहा है कि हमारी आत्मा में निखिल ब्रह्माण्ड समाहित है।

आत्मग्रंथ से बड़ा दुनिया का कोई ग्रंथ नहीं है, आत्मज्ञान से बड़ा दुनिया में कोई ज्ञान नहीं है। हमारे चारों वेद आत्मा का एक छोटा सा अंशमात्र हैं। आत्मा की दिव्यता, आत्मा की चैतन्यता, आत्मा की सामर्थ्य, आत्मा का ज्ञान, जिसमें एक नहीं अनेक ब्रह्माण्ड समाहित हैं, उस आत्मा का शोधन हमारे ऋषि-मुनियों ने किया है और उस आत्मज्ञान की ओर बढ़कर, जिसने जितना प्राप्त किया, वह ज्ञान समाज को प्रदान किया है। इसी भूतल पर हमारे अनेक ऋषि-मुनि हुए हैं, जिनकी परम्परा को आज आप भूल चुके हैं। जिनके अन्दर वाक्शक्ति थी और उसके बल पर वे कुछ भी करने में सामर्थ्यवान थे। उन ऋषियों-मुनियों में आशीर्वाद देने की सामर्थ्य थी, वे नये स्वर्ग की रचना करने की सामर्थ्य रखते थे और उनके समक्ष देवत्व भी झुकता था।

... **शेष अगले अंक में**

संकलन: पूजा शुक्ला

कब रुकेगा आपका भटकाव?

संकल्प शक्ति। सत्य को जो समझ जाता है, वह 'माँ' के चरणों में बार-बार नतमस्तक होता है और विकारों के बन्धनों से धीरे-धीरे मुक्त होता चला जाता है। फिर एक दिन ऐसा आता है कि उसका अन्तर्मन पवित्रता के आलोक से जगमगा उठता है। आपके अन्दर तो अलौकिक दैवीयसम्पदा का भंडार है, फिर भी इधर-उधर भटक रहे हो? जिस दिन से सच्चिदानंदस्वरूप अपने सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के आदेश को अपना धर्म व कर्म मान लोगे, उस दिन से आपका भटकाव रुक जाएगा। लेकिन, जो गुरु के आदेश के महत्त्व को नहीं समझता, उसे जीवनभर शान्ति नसीब नहीं होती और जब तुम अपने गुरु की विचारधारा के समीप आ जाओगे, जीवन बदलता चला जाएगा।

सच्चिदानंदस्वरूप ऋषिवर सद्गुरुदेव श्री शक्तिपुत्र जी महाराज ने अपनी सभी साधनाएं जनकल्याण के लिए समर्पित करते हुए लोगों को आत्मवत् जीवन जीने की सलाह दी है। महाराजश्री की विचारधारा को अपनाकर करोड़ों लोग नशे-मांसाहार से मुक्त होकर चरित्रवान् जीवन अपना चुके हैं। उनके द्वारा निर्देशित तीनों धाराएं-- भगवती मानव कल्याण संगठन, पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम और भारतीय शक्ति चेतना पार्टी, धर्म-कर्म से सम्बद्ध हैं और इन त्रिधाराओं में किसी भी जाति, धर्म व सम्प्रदाय में भेद किए बिना मानवता की सेवा, धर्मरक्षा एवं राष्ट्ररक्षा के कार्य समाहित हैं।

ऋषिवर के चिन्तनों को आत्मसात करके व्यक्ति अपने अस्तित्त्व को पहचान लेता है और आत्मा के प्रकाश से अविभूत होकर तृप्ति का अनुभव करता है, लेकिन ऋषिवर के चिन्तन वही ग्राह्य कर सकता है, जिसके अन्दर मूढ़ मन को जीतने की सामर्थ्य है, अन्यथा एक कान से सुनकर, यह कहते हुए कि गुरुजी ने अच्छा चिन्तन दिया और दूसरे कान से निकाल दिया। इसके बाद दोषपूर्ण कार्यों में फिर प्रवृत्त होजाते हो, तो भला तुमसे बड़ा मूर्ख और अज्ञानी कौन होगा?

मूढ़ों के लिए व्यर्थ है आत्मबोध का चिन्तन

जो मन को जीत नहीं सकते और इन्द्रियों की लोलुपता में फसे रहते हैं तथा दम्भ में इठलाते रहते हैं, ऐसे मूढ़ों, अज्ञानियों के लिए आत्मबोध का चिन्तन व्यर्थ है। तात्पर्य जिस व्यक्ति ने अपने मन पर विजय प्राप्त नहीं की, वह दुबुद्धि है, अज्ञानी है। वह अमृत को छोड़कर विष का पान करता है और वास्तव में जो ज्ञानी हैं, वे आत्मवत् जीवन जीते हैं।

अनर्थकारी है अधिक धन की लालसा

जिस पुरुष को सदा भोग की इच्छा रहती है, वह मूर्ख और जड़ है। अधिक धन की लालसा भी अनर्थकारी है, क्योंकि जब तक प्राप्त नहीं होता, तब तक यत्न चलता रहता है और वह धन अनर्थ करके प्राप्त होता है। ऐसी सम्पत्ति सद्गुणों अर्थात् विनयशीलता, भ्रातत्व, उदारता, कोमलता, सभी कुछ नष्ट कर देती है और अन्त में कष्ट पाना उस व्यक्ति की नियति बन जाती है।

: अलोपी शुक्ला

"मन की गति विचित्र है, जो विचारों को मूलबिन्दु पर ठहरने ही नहीं देती। अतएव अपने विचारों को धाराप्रवाह मत बहने दें, बल्कि कुछ देर ठहरकर विचारों को विवेक की कसौटी पर कसो कि कहीं हमारे विचार ग़लत दिशा में तो नहीं जा रहे हैं और यदि ऐसा है, तो उन पर लगाम कसें, मन को जीतने का प्रयास करें। जो व्यक्ति ऐसा करता है, उसे जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखना पड़ता। कुविचारों के कारण ही मनुष्य अनीति-अन्याय-अधर्म एवं भोगलिप्सा जैसे निकृष्ट आचरणों से निकल नहीं पा रहा है और यही कारण है कि समय-समय पर उसे दारुण कष्टों का सामना करना पड़ता है। इसलिए यदि दुःख, कष्ट, निरीहता से बचना है, तो अपने विचारों में पवित्रता लाकर अध्यात्मिक राह पर चलते हुए मानवीय कर्त्तव्यों के प्रति सजग रहें।"

➲ ऋषिवर श्री शक्तिपुत्र जी महाराज

'माँ' की साधना-आराधना से ही मिल सकती है हमें शान्ति

महोबा। भगवती मानव कल्याण संगठन एवं पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम ट्रस्ट के संयुक्त तत्त्वावधान में हर माह की भांति इस माह भी तृतीय रविवार को अम्बे पैलेस, परमानन्द चौक, महोबा में महाआरतीक्रम समन्न किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में कु. संध्या कुशवाहा जी और कु.अंजली रैकवार जी ने 'माँ'-गुरुवर के जयकारे लगवाए।

समापन अवसर पर टीम प्रमुख श्रीमती संगीता कुशवाहा जी ने कहा कि 'सत्यधर्म की पूंजी को अर्जित कर लो, क्योंकि यह पूंजी इहलोक के साथ परलोक में भी काम आयेगी।' भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के ज़िलाध्यक्ष मुन्नालाल धुरिया जी ने कहा कि 'जनजागरण के क्रमों को निरन्तर गतिमान बनाए रखना है, जिससे परम पूज्य गुरुवरश्री की विचारधारा जन-जन तक पहुँच सके।' संगठन के तहसील शाखा के संगठनमंत्री मातादीन सेन जी ने कहा कि 'माता भगवती आदिशक्ति जगत् जननी जगदम्बा की साधना-आराधना से ही हमें शांति मिल सकती है, इसके अलावा अन्य कोई दूसरा रास्ता नहीं है।' संगठन के महोबा तहसील शाखा के अध्यक्ष पप्पू सिंह चौहान जी ने भी उपस्थित भक्तों के समक्ष अपने विचार रखे।

अंत में संगठन के ज़िलाध्यक्ष अनुपम त्रिपाठी जी ने कार्यक्रम में आए हुए भक्तों के प्रति आभार जताया।

मासिक महाआरती

दमोह। तृतीय रविवार को 'माँ' पीताम्बरा शक्तिपीठ, गौरीशंकर मंदिर प्रांगण, हटा, ज़िला-दमोह में सम्पन्न हुई मासिक महाआरती

पोषकतत्त्वों से भरपूर होते हैं कद्दू के बीज

फल व सब्ज़ियां तो सेहतमंद रहने के लिए आवश्यक हैं ही, कुछ फल व सब्ज़ियों के बीज भी सेहत संबंधी कई परेशानियों को दूर करने में सहायक हैं। सूरजमुखी, अलसी व कद्दू के बीजों को रोजाना खाने से आप लंबे समय तक हेल्दी बने रह सकते हैं। कद्दू के बीज तो सेहत के लिए बहुत उपयागी हैं। दिन में एक से दो चम्मच कद्दू के बीजों को खाना सेहत के साथ बालों के लिए भी फायदेमंद है, लेकिन इसकी मात्रा का ध्यान रखना ज़रूरी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि ये बीज महिलाओं के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं, क्योंकि इनमें मैग्नीशियम और विटामिन के होता है, जो पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं। वहीं इसमें मौजूद जिंक महिलाओं में फर्टिलिटी और हॉर्मोनल बैलेंस को भी बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके और भी कई अन्य लाभ हैं।

हार्ट को रखता है स्वस्थ

कद्दू के बीजों को खाने से हार्ट स्वस्थ रहता है, क्योंकि इसमें फाइबर, हेल्दी फैट्स के साथ एंटी ऑक्सीडेंट्स की भी अच्छी-खासी मात्रा होती है, जो कोलेस्ट्रॉल दूर करने में कारगर है। इन बीजों में मौजूद मैग्नीशियम ब्लड प्रेशर लेवल को नियंत्रित रखता है, जिससे हार्ट से जुड़ी परेशानियां दूर रहती हैं।

इम्युनिटी बढ़ाए

कद्दू के बीजों को खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी भी बढ़ती है। इन बीजों में एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोकेमिकल्स की मौजूदगी इम्युनिटी को मज़बूत बनाने में मददगार है।

जोड़ों के दर्द को करे कम

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर इसके बीज जोड़ों के दर्द को कम करने में भी असरदार हैं। अर्थराइटिस के दर्द से राहत पाने के लिए इसके बीजों को डाइट का हिस्सा बनाएं।

बालों के लिए फायदेमंद

इसके बीज विटामिन सी के भी अच्छे स्रोत होते हैं। इसका सेवन करने से बाल जड़ से मज़बूत होते हैं और उनकी ग्रोथ भी तेज होती है। इसके बीजों का तेल भी बालों में लगाया जा सकता है।

भोजन में ऐसे करें शामिल

कद्दू के बीजों को हल्का भून लें। मात्रा के अनुसार इसके साथ हरी मिर्च, लहसुन पीस लें। इस मिश्रण में एक चम्मच नींबू का रस मिला लें और फिर इस चटनी का सेवन करें। टमैटो सॉस बनाते वक्त भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। सादी दही में ऊपर से इसके बीज डालकर भी खा सकते हैं।

मिठाइयों को हेल्दी बनाने के लिए उसके ऊपर कद्दू के बीज का उपयोग करें या फिर बादाम, काजू के साथ इन्हें भी ड्राई रोस्ट करके डाल सकते हैं। मखाने की बर्फी, सिंघाड़े के आटे की बर्फी, बेसन बर्फी बनाते समय भी इस बीज का उपयोग किया जा सकता है।

गर्मियों में शरीर को ठंडक प्रदान करता है सौंफ का शरबत

गर्मियों में डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, डायरिया, टायफॉइड की समस्याएं बहुत ही आम होती हैं और इनका शरीर पर बहुत ही गंभीर और लंबा असर रहता है। इसलिए गर्मियों के मौसम में घर से बाहर निकलने से पहले शरीर को अच्छे से कवर करना, सनस्क्रीन लगाना, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और शरीर को ठंडा रखने जैसी सलाह विषय विशेषज्ञ देते हैं, लेकिन अगर आप शरीर को ठंडा रखने के लिए ठंडा पानी पीते हैं, तो ये बिल्कुल भी सही नहीं, क्योंकि गर्म-सर्द की वजह से बुखार, सर्दी-जुकाम की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। इसकी जगह नींबू पानी, शिकंजी, शरबत, सत्तू, गन्ने का जूस जैसे ऑप्शन्स चुनें। जो शरीर को दोहरा लाभ पहुंचाते हैं।

तो सौंफ का शरबत, गर्मियों के लिए उत्तम पेय है और इससे शरीर को कई सारे फायदे मिलते हैं।

शरबत बनाने की रेसिपी

-सामग्री-

- 2 चम्मच नींबू का रस
- 1/2 कप सौंफ
- 3 से 4 पुदीना की पत्तियां
- स्वादानुसार चीनी और काला नमक।

ऐसे बनाएं सौंफ की शरबत

सौंफ का शरबत बनाने के लिए सबसे पहले सौंफ को धो लें। फिर इसे पानी में दो से तीन घंटे के लिए भिगो दें।

दो तीन घंटे बाद इसे मिक्सी में पीस लें। बाकी चीज़ों को भी साथ ही पीसकर बारीक पाउडर बना लें।

अब एक ग्लास में पानी निकालें, इसमें इस पेस्ट को मिलाएं। ऊपर से नींबू का रस डालें।

लीजिए तैयार हो गया गर्मियों का हेल्दी ड्रिंक सौंफ की शरबत।

सौंफ की शरबत के फायदे

सौंफ की तासीर ठंडी होती है, जिस वजह से इसे पीने से शरीर ठंडा रहता है और इसे पीने से डिहाइड्रेशन की समस्या से भी बचा जा सकता है।

लौकी के साथ फूलगोभी, करेला व चुकंदर न खाएं

लौकी की सब्जी रोगियों के लिए काफी फायदेमंद होती है। आयुर्वेद में लौकी के कई फायदों के बारे में बताया गया है। इसके फायदों के चलते गर्मियों के साथ ही सर्दियों को मौसम में भी लौकी का इस्तेमाल किया जाने लगा है। लौकी में मिलने वाले पोषकतत्त्व के कारण डॉक्टर हाई बीपी, डायबिटीज व पेट संबंधी रोगों में लौकी का सेवन करने की सलाह देते हैं। लेकिन, कुछ सब्ज़ियों के साथ लौकी को खाना आपके लिए समस्या का कारण बन सकता है। लौकी के साथ कुछ सब्ज़ियों का सेवन करने से कई तरह की समस्याएं हो सकती है।

फूलगोभी: फूलगोभी को पचाने में ज्यादा समय लगता है। वहीं यह गैस की समस्या का कारण बन सकती है। जिन लोगों को पेट की समस्या है, उनको लौकी के साथ फूलगोभी, बंदगोभी और ब्रोकली का सेवन नहीं करना चाहिए।

करेला: करेला का स्वाद कसैला होता है। जब आप करेले के साथ लौकी का सेवन करते हैं, तो इससे कड़वी लौकी का पता नहीं चल पाता है। कड़वी लौकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। यह आपके शरीर में जहर का बना सकती है। इसमें व्यक्ति को उल्टियां, नाक से खून आना और चक्कर आने की समस्या हो सकती है।

खट्टे खाद्य पदार्थ: लौकी के साथ आप खट्टे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। लौकी को बहुत खट्टे फलों के साथ सेवन नहीं करना चाहिए। लौकी को नींबू और खट्टे फलों के साथ खाने से पेट में दर्द और मरोड़ की समस्या हो सकती है।

डेयरी उत्पाद: लौकी की सब्ज़ी को डेयरी उत्पाद के साथ नहीं मिलाना चाहिए। एक्सपर्ट का कहना है कि दही और दूध का सेवन लौकी के साथ नहीं करना चाहिए। इससे पेट संबंधी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

चुकंदर: लौकी के साथ चुकंदर के सेवन को मना किया जाता है। लौकी की सब्जी के साथ चुकंदर खाना स्वास्थ्य के लिए खराब होता है। इससे शरीर और चेहरे पर दाने हो सकते हैं।

दूरदर्शन के लोगों का रंग भगवा करने से बढ़ा सियासी विवाद

नई दिल्ल। सार्वजनिक प्रसारक दूरदर्शन न्यूज के 'लोगो' का रंग लाल से बदलकर नारंगी करने पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष ने इसे पूरी तरह से अवैध और 'भाजपा समर्थक पक्षपात' को प्रतिबिंबित करने वाला करार दिया। सार्वजनिक प्रसारक ने पिछले सप्ताह दिल्ली दूरदर्शन न्यूज के 'नए लोगो' का अनावरण किया था। इसकी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखी आलोचना की। उन्होंने इसे चुनाव के दौरान दूरदर्शन के 'भगवाकरण' का प्रयास करार दिया।

केंद्रीय सूचना और प्रसारणमंत्री अनुराग ठाकुर ने ममता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'भगवा' के प्रति उनका प्रेम जगजाहिर है। भाजपा ने बदलाव को 'घर वापसी' करार देते हुए तर्क दिया कि भगवा लोगो का परीक्षण 1982 में किया गया था

अवैध अंग प्रत्यारोपण करने वाले अस्पतालों का रद्द होगा लाइसेंस

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे अवैध रूप से देश में चल रहे अंग प्रत्यारोपण के मामलों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि जो भी अस्पताल अवैध रूप से अंग प्रत्यारोपण या अंग प्रत्यारोपण के लिए बने क़ानून का उल्लंघन करता पाया जाए, उसके लाइसेंस को रद्द कर दिया जाए।

जानकारी के अनुसार, भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के डायरेक्टर जनरल डॉ. अतुल गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखा है। इस पत्र में डॉ. गोयल ने कहा है कि सभी अंग प्रत्यारोपण के सभी आंकड़े मासिक आधार पर राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के साथ साझा किए जाने चाहिए। इनमें देश के नागरिकों के साथ ही विदेशी नागरिकों के आंकड़े भी होने चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय का यह आदेश हरियाणा और राजस्थान में हुए अवैध अंग प्रत्यारोपण के रैकेट के खुलासे के बाद सामने आया है। जिसमें बांग्लादेश के लोग भी शामिल थे।

भारत ने की ब्रह्मोस मिसाइल एक्सपोर्ट, फिलीपींस को सौंपी पहली खेप

नई दिल्ली। भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की पहली खेप सौंपी है। पहली बार इसे एक्सपोर्ट किया गया है। इसके लिए जनवरी 2022 में दोनों देशों के बीच 3,130 करोड़ रुपए की डील हुई थी। ब्रह्मोस मिसाइल की स्पीड साउंड से 2.8 गुना ज़्यादा और मारक क्षमता 290 किमी है।

फिलीपींस को उस समय मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी मिली है, जब उसके और चीन के बीच साउथ चाइना सी में तनाव बढ़ा हुआ है। फिलीपींस ब्रह्मोस के 3 मिसाइल सिस्टम को साउथ चाइना सी में तैनात करेगा। ब्रह्मोस मिसाइलों से समुद्र में फिलीपींस की ताक़त बढ़ेगी।

कैसे काम करता है ब्रह्मोस?

ब्रह्मोस के हर सिस्टम में दो मिसाइल लॉन्चर, एक रडार और एक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर होता है। इसके ज़रिए सबमरीन, शिप या एयक्राफ्ट से दो ब्रह्मोस मिसाइलें 10 सेकेंड के अंदर दुश्मन पर दागी जा सकती हैं। भारत फिलीपींस को मिसाइल ऑपरेट करने की भी ट्रेनिंग देगा।

गाजीपुर में कूड़े के पहाड़ पर लगी आग

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में स्थित गाजीपुर लैंडफिल साइट में आग लग जाने पर धुएं से स्थानीय लोग परेशान हैं। कूड़े के पहाड़ से ऊंचा धुआं उठ रहा है। दमकल को रविवार को लगभग सायं 5:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर दमकल की दो गाड़ियां पहुंच गईं जो आग को बुझाने में जुटी हुई हैं, लेकिन कचड़े के पहाड़ पर लगी आग को जल्द बुझा पाना मुश्किल है।

गौरतलब है कि गर्मी आते ही कूड़े के पहाड़ में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। पिछले साल भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है निगम को लैंडफिल पर आग न लगे इसका कोई स्थायी समाधान निकालना चाहिए। वर्ष 2020 में गर्मियों में लैंडफिल पर पाँच दिन तक आग लगी थी, बड़ी मुश्किल से दमकल व निगम ने काबू पाया था।

विदित हो कि गाजीपुर लैंडफिल साइट का क्षेत्रफल 70 एकड़ है और यह 1984 में शुरू हुई थी। इसकी ऊँचाई 65 मीटर तक पहुँच गई थी, लेकिन काफी कचड़ा हटा दिया गया है, जिससे अब पहाड़ जैसी इसकी ऊँचाई वर्तमान में 50 मीटर रह गई है। बताया जाता है कि वर्ष 2024 में इस लैंडफिल को खत्म करने का लक्ष्य है।

पानी निकासी का रास्ता बनाकर सेना ने गांव को बाढ़ से बचाया

श्रीनगर। शुक्रवार को मौसम के तेवर ख़तरनाक थे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में तड़के से ही झमाझम वर्षा हुई, जबकि घाटी के ऊपरी क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी भी हुई। कई जगह दिन में तेज हवा के साथ वर्षा हुई, तो कहीं ओले भी गिरे।

भारी बारिश के चलते पुलवामा के तेंगरा गांव में कई घरों में पानी भर गया। भारतीय सेना के जवानों द्वारा जेसीबी की मदद से तेज बहाव वाले पानी को घरों से दूर करने और पानी निकासी के लिए एक रास्ता बनाया, जिससे बाढ़ से गाँव की रक्षा हो सकी।

रामबन में हुआ भूस्खलन

वहीं सुबह करीब साढ़े नौ बजे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर रामबन के गांगरू में भूस्खलन हुआ, जिससे यातायात ठप हो गया। शाम करीब साढ़े पाँच बजे मलबा हटाकर यातायात बहाल किया गया।

समुद्री सुरक्षा के लिए भारतीय नौसेना ने किया अभ्यास

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने पूर्वी समुद्र-तट पर 'पूर्वी लहर' अभ्यास का संचालन किया। नौसेना ने शनिवार को कहा कि किसी भी समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को परखने के प्रयासों के तहत इस अभियान का संचालन किया गया।

इस अभ्यास में पूर्वी लहर में जहाजों, पनडुब्बियों, विमानों और विशेष नौसैनिक बलों की भागीदारी रही। यह अभ्यास कई चरणों में आयोजित किया गया। सामरिक चरण में युद्ध प्रशिक्षण और हथियार चरण के दौरान विभिन्न फायरिंग का सफल संचालन किया गया।

अभ्यास में वायुसेना, अंडमान और निकोबार कमान और तटरक्षक बल की भी सहभागिता रही। अभ्यास के दौरान भाग लेने वाले बलों ने वास्तविक परिस्थितियों में मूल्यवान सबक सीखे, जिससे क्षेत्र में समुद्री चुनौतियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने की उनकी तैयारी और बेहतर हुई है।

एमडीएच, एवरेस्ट मसालों के गुणवत्ता की होगी जाँच

मसालों में कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड होने का आरोप, कैंसर का ख़तरा

नई दिल्ली। भारत में बिकने वाले मसालों की गुणवत्ता का परीक्षण किया जायेगा। यह फैसला हांगकांग, सिंगापुर द्वारा दो चर्चित भारतीय ब्रांडों- एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों की गुणवत्ता पर चिंता जताने के बाद लिया गया है। हांगकांग के खाद्य नियामक सेंटर फार फूड सेफ्टी (सीएफएस) ने कहा था कि इन मसालों में कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड है, जिससे कैंसर होने का ख़तरा होता है। नियामक ने विक्रेताओं को इनकी बिक्री रोकने का निर्देश दिया था।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि खाद्य सुरक्षा नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने देशभर से एमडीएच और एवरेस्ट सहित सभी ब्रांडों के मसालों के पाउडर के नमूने लेने शुरू कर दिए हैं।

एफएसएसएआई करेगा जांच

सरकारी सूत्रों के हवाले से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत काम करने वाले एफएसएसएआई घरेलू बाज़ार में बेचे जाने वाले मसालों की गुणवत्ता की जांच करेगा। देश के सभी खाद्य आयुक्तों को अलर्ट कर दिया गया है। मसालों के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। तीन से चार दिनों में देश की सभी मसाला निर्माता इकाइयों से नमूने एकत्र किए जाएंगे। सिर्फ एमडीएच और एवरेस्ट ही नहीं, सभी मसाला कंपनियों से नमूने लिए जाएंगे। लैब से लगभग 20 दिनों में रिपोर्ट आ जाएगी।

क्या है एथिलीन ऑक्साइड?

मसाला बोर्ड के अनुसार, एथिलीन ऑक्साइड को 10.7 सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर ज्वलनशील, रंगहीन गैस होता है। कीटनाशक के तौर पर भी इसका इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से चिकित्सा उपकरणों को स्टरलाइज करने के लिए किया जाता है। प्राकृतिक स्रोतों के अलावा, इसे जल-जमाव वाली मिट्टी, खाद और कीचड़ से भी पैदा किया जा सकता है।

कैंसर का ख़तरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन

कैंसर ने एथिलीन ऑक्साइड को कैंसर पैदा करने वाला के रूप में वर्गीकृत किया है। इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि यह मनुष्यों में कैंसर का कारण बन सकता है। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) के अनुसार, इसके संपर्क से अवसाद और आंखों में जलन हो सकती है। लंबे समय तक संपर्क में रहने से आंखों, त्वचा, नाक, गले और फेफड़ों में जलन हो सकती है और मस्तिष्क व तंत्रिका तंत्र को नुक़सान हो सकता है।

विकलांग बच्चे की मां को बाल देखभाल अवकाश देने से नहीं किया जा सकता इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि विकलांग बच्चे की देखभाल करने वाली मां को बाल देखभाल अवकाश देने से इनकार करना, कार्यबल में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने के राज्य के संवैधानिक कर्तव्य का उल्लंघन होगा।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने दिव्यांग बच्चों वाली कामकाजी महिलाओं को चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) देने के मुद्दे पर नीतिगत निर्णय लेने के लिए हिमाचलप्रदेश के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का भी निर्देश दिया है।

इसमें कहा गया है कि याचिका में एक गंभीर मुद्दा उठाया गया है और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी विशेषाधिकार का मामला नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक आवश्यकता है और एक आदर्श नियोक्ता के रूप में राज्य इससे अनजान नहीं हो सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि केंद्र को मामले में पक्षकार बनाया जाए।

सेमीकंडक्टर और ग्रीन एनर्जी बदलेगी देश की इंडस्ट्रियल इकोनॉमी की तस्वीर

संकल्प शक्ति। काफी समय से भारतीय औद्योगिक अर्थव्यवस्था की पहचान इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री से रही है, लेकिन अब इसमें तेजी से बदलाव आना सुनिश्चित है। इलेक्ट्रॉनिक्स डिफेंस हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग और स्पेस इंडस्ट्री जैसे सनराइज सेक्टर जल्द ही भारत की नई इकोनॉमी का चेहरा होंगे। इसकी शुरुआत भी हो चुकी है और जल्द ही भारत की पहचान इन आधुनिक इंडस्ट्रीज के देश के रूप में होने लगेगी।

बीते दिनों कैबिनेट ने 1.26 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के लिए तीन सेमीकंडक्टर संयंत्रों को मंजूरी दी है, जिनमें से दो गुजरात में और एक असम में स्थापित होंगे और इनका शिलान्यास भी हो चुका है।

देश में सेमीकंडक्टर का सबसे बड़ा प्लांट गुजरात के धोलेरा में बन रहा है, जहां से भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप 2026 तक आने की संभावना है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स यह प्लांट ताइवान के पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन के साथ बना रहा है।

इस फैब की विनिर्माण क्षमता प्रति माह 50,000 वेफर्स तक होगी। यहां कंप्यूटर चिप्स के निर्माण के अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), टेलीकॉम, डिफेंस, ऑटोमोटिव, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, डिस्प्ले, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स आदि के लिए पावर मैनेजमेंट चिप्स भी बनेंगे। पावर मैनेजमेंट चिप्स हाई वोल्टेज, हाई करेंट एप्लीकेशन होते हैं।

स्पेस इंडस्ट्री ग्लोबल मैप पर

स्पेस सेक्टर में ऑटोमैटिक रूट से 100 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति मिलने से भारत की स्पेस इंडस्ट्री को ग्लोबल मैप पर आ गई है। अनुमान है कि देश का स्पेस सेक्टर अगले 10 साल में पाँच गुना बढ़कर 44 अरब डॉलर के पार हो जाएगा।

स्पेस इंडस्ट्री की संस्था इंडियन स्पेस एसोसिएशन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) ए.के. भट्ट भी मानते हैं कि नई एफडीआई नीति के बाद स्पेस सेक्टर में विदेशी निवेश आने की पूरी उम्मीद है। वे कहते हैं, आज पूरी दुनिया में स्पेस सेक्टर को लेकर रुचि काफी अधिक है। बड़ी विदेशी कंपनियां भारतीय स्टार्टअप तथा अन्य कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर स्थापित करेंगी।

उम्मीद है कि नए उदार एफडीआई नियम के बाद एलोन मस्क की स्पेसएक्स, जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन और रिचर्ड ब्रैन्सन की वर्जिन गैलेक्टिक भी भारत में निवेश कर सकती हैं।

तीसरी इंडस्ट्री ग्रीन एनर्जी

तीसरी इंडस्ट्री जो देश में तेजी से बढ़ने जा रही है, वह है ग्रीन एनर्जी। भारत ने घोषणा की है कि देश वर्ष 2070 तक नेट कार्बन जीरो उत्सर्जन हासिल कर लेगा, जबकि साल 2030 तक अपनी बिजली की 50 प्रतिशत ज़रूरतों को नवीकरणीय स्रोतों से पूरा करेगा।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए तेजी से काम हो रहा है। भारत में 40 गीगावॉट की कुल क्षमता वाले 59 सौर पार्कों को स्वीकृति मिल चुकी है। एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने वाली महत्त्वाकांक्षी पीएम सूर्यघर योजना भी सरकार शुरू कर चुकी है। देश में उच्च दक्षता वाले सोलर मॉड्यूल निर्माण को बढ़ावा देने के लिए आम बजट 2022-23 में सरकार ने 19,500 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना शुरू की थी। देश के शीर्ष उद्योग घराने इस कारोबार में उतर चुके हैं।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार, भारत में गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्र निवेशकों के लिए काफी आकर्षक हो गया है। 2014 से भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 5.2 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इसमें विदेशी निवेश बढ़ रहा है। संयुक्त अरब अमीरात ने भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 75 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का ऐलान किया है।

बैटरी भी महत्त्वपूर्ण घटक

ग्रीन एनर्जी में बैटरी भी एक महत्वपूर्ण घटक है। अभी भारत में बैटरी सेल नहीं बनते हैं। फिलहाल सभी बैटरी सेल आयात होते हैं, यहां सिर्फ असेंबलिंग होती है। दो स्टार्टअप

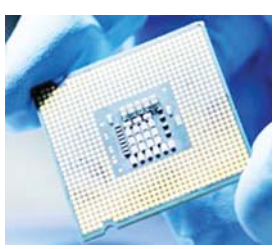

ने इस दिशा में काम शुरू किया है, लेकिन वे अभी छोटे स्तर पर हैं। बैटरी सेल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार पीआईएल (18,100 करोड़ रुपये) लेकर आई है। इसमें तीन कंपनियों ने बोली जीती है।

पीरामल एंटरप्राइजेस के मुख्य अर्थशास्त्री देबोपम चौधरी कहते हैं, वैश्विक सप्लाई चेन में गहराई से जुड़ने की भारत की महत्त्वाकांक्षा कई नए उद्योगों में विकास की क्षमता को बढ़ा रही है। चीन+1 रणनीति के कारण खाली हुए स्थान के लिए एक योग्य दावेदार के रूप में उभरने के लिए भारतीय मैन्युफैक्चरिंग को हाई क्वालिटी स्टैंडर्ड को पूरा करने की ज़रूरत है। यह कैपेसिटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भारी प्राइवेट और पब्लिक कैपेक्स से ही हासिल किया जा सकता है। यह नए क्षेत्र इसीलिए चर्चा में हैं, क्योंकि इनमें भारी कैपेक्स आ रहा है। यदि यहां सफलता मिलती है, तो भारत मैन्युफैक्चरिंग के मामले में चीन के एक विश्वसनीस विकल्प के रूप में स्थापित होगा, इससे टिकाऊ विकास का जन्म होगा।

स्वत्वाधिकारी त्रिशक्ति प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के लिए सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा शुक्ला के द्वारा हितकारिणी प्रिन्टिंग प्रेस, सिविक सेंटर, जिला-जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित तथा पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम, पोस्ट-मऊ, तहसील-ब्यौहारी, जिला-शहडोल (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पर्क सूत्र: 9981657948, 9179465414, **email-sankalpshakti09@gmail.com, RNI NO-MPHIN/2009/31042,** न्यायालयीन क्षेत्राधिकार ब्यौहारी।